



Mr. Shani rss

30 Apr 1994

03:10 PM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120641610

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 30/04/1994
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 15:10:00 घंटे
इष्ट _____: 24:24:59 घटी
स्थान _____: Jaunpur
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:44:00 उत्तर
रेखांश _____: 82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 15:10:44 घंटे
वेलान्तर _____: 00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:43:09 घंटे
सूर्योदय _____: 05:24:00 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:29:30 घंटे
दिनमान _____: 13:05:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 16:02:11 मेष
लग्न के अंश _____: 02:25:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढ़ा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: सिद्ध
करण _____: गर
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष



FUTUREPOINT
Astro Solutions



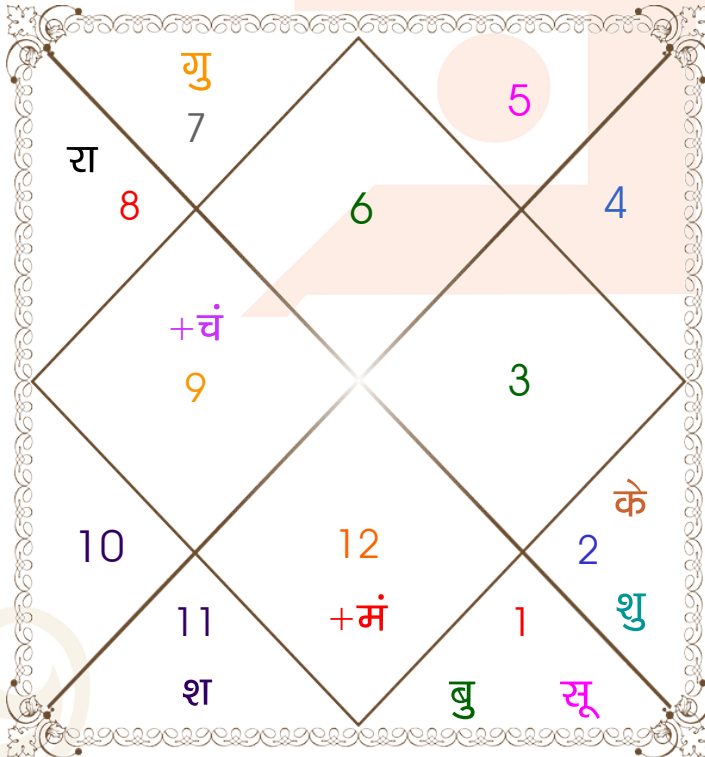
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:25:25	325:19:48	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मेष	16:02:11	00:58:15	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			धनु	18:48:42	13:47:58	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	18:19:11	00:46:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	अ		मेष	16:00:12	02:08:50	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		तुला	16:00:06	00:07:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	11:15:12	01:12:57	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	स्वराशि
शनि			कुंभ	16:20:50	00:04:49	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	00:05:02	00:01:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	00:05:02	00:01:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:33:44	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	29:33:43	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:23:12	00:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	02:21:18	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

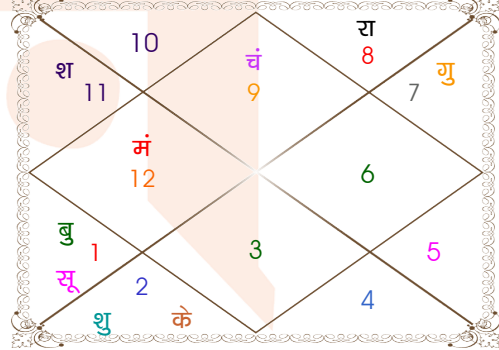
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:53

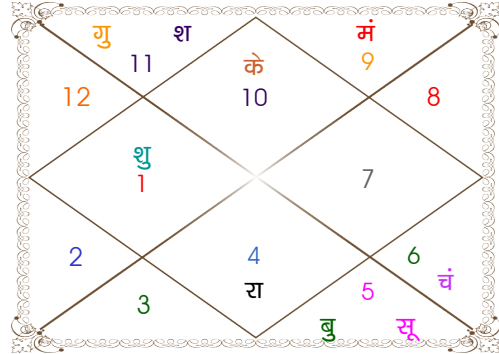
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 9 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष 30/04/1994 10/02/2006	सूर्य 6 वर्ष 10/02/2006 10/02/2012	चंद्र 10 वर्ष 10/02/2012 10/02/2022	मंगल 7 वर्ष 10/02/2022 09/02/2029	राहु 18 वर्ष 09/02/2029 10/02/2047
00/00/0000	सूर्य 30/05/2006	चंद्र 10/12/2012	मंगल 09/07/2022	राहु 24/10/2031
00/00/0000	चंद्र 29/11/2006	मंगल 12/07/2013	राहु 27/07/2023	गुरु 18/03/2034
00/00/0000	मंगल 06/04/2007	राहु 10/01/2015	गुरु 02/07/2024	शनि 22/01/2037
30/04/1994	राहु 28/02/2008	गुरु 11/05/2016	शनि 11/08/2025	बुध 11/08/2039
राहु 11/04/1996	गुरु 17/12/2008	शनि 11/12/2017	बुध 08/08/2026	केतु 29/08/2040
गुरु 11/12/1998	शनि 29/11/2009	बुध 12/05/2019	केतु 04/01/2027	शुक्र 30/08/2043
शनि 10/02/2002	बुध 05/10/2010	केतु 11/12/2019	शुक्र 05/03/2028	सूर्य 23/07/2044
बुध 10/12/2004	केतु 10/02/2011	शुक्र 11/08/2021	सूर्य 11/07/2028	चंद्र 22/01/2046
केतु 10/02/2006	शुक्र 10/02/2012	सूर्य 10/02/2022	चंद्र 09/02/2029	मंगल 10/02/2047
गुरु 16 वर्ष 10/02/2047 10/02/2063	शनि 19 वर्ष 10/02/2063 10/02/2082	बुध 17 वर्ष 10/02/2082 10/02/2099	केतु 7 वर्ष 10/02/2099 11/02/2106	शुक्र 20 वर्ष 11/02/2106 00/00/0000
गुरु 30/03/2049	शनि 13/02/2066	बुध 08/07/2084	केतु 09/07/2099	शुक्र 12/06/2109
शनि 11/10/2051	बुध 23/10/2068	केतु 05/07/2085	शुक्र 08/09/2100	सूर्य 12/06/2110
बुध 16/01/2054	केतु 02/12/2069	शुक्र 05/05/2088	सूर्य 14/01/2101	चंद्र 11/02/2112
केतु 23/12/2054	शुक्र 31/01/2073	सूर्य 12/03/2089	चंद्र 15/08/2101	मंगल 12/04/2113
शुक्र 23/08/2057	सूर्य 13/01/2074	चंद्र 11/08/2090	मंगल 11/01/2102	राहु 01/05/2114
सूर्य 11/06/2058	चंद्र 15/08/2075	मंगल 08/08/2091	राहु 30/01/2103	00/00/0000
चंद्र 11/10/2059	मंगल 22/09/2076	राहु 25/02/2094	गुरु 06/01/2104	00/00/0000
मंगल 16/09/2060	राहु 30/07/2079	गुरु 02/06/2096	शनि 13/02/2105	00/00/0000
राहु 10/02/2063	गुरु 10/02/2082	शनि 10/02/2099	बुध 11/02/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोत्तम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते हैं कि आपकी छोटी से महत्वाकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरुत्साहित नहीं हैं। आपके जीवन में अनेकों बार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरुष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानान्तरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता है। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृत्ति के अहंकार से युक्त पुरुष हैं। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतस्त्रिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृत्ति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्त रोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।